डाक पंजीयन क्रमांक : MP/HSD/51/2026-28

हरदा से प्रकाशित साप्ताहिक अखबार ■ प्रति बुधवार

शब्द सासा

खबरों का आईना

RNI - MPHIN/2017/74252

पेज 07

वर्ष-11, अंक-08, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

email: ramnema81@gmail.com

हरदा, बुधवार 1 जुलाई 2026

सार-समाचार

सभापति ने मल्लिकार्जुन को दिलाई राज्यसभा सदस्यता की शपथ

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का राज्यसभा में बतौर सदस्य कार्यकाल 25 जून को समाप्त हो गया था। राज्यसभा सदस्य के रूप में खडगे का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही विपक्ष के नेता का पद भी रिक्त हो गया था। अब खडगे के राज्यसभा सदस्य के रूप में दूसरे कार्यकाल का आगाज हो गया है। मल्लिकार्जुन खडगे ने सोमवार को राज्यसभा सदस्यता की शपथ ली। मल्लिकार्जुन खडगे कर्नाटक से लगातार दूसरी बार उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए हैं। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मल्लिकार्जुन खडगे को सदस्यता की शपथ दिलाई। मल्लिकार्जुन खडगे ने हिंदी में शपथ ली। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, नेता सदन जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहे। राज्यसभा सदस्यता की शपथ लेने के साथ ही मल्लिकार्जुन खडगे को फिर से विपक्ष का नेता भी चुन लिया गया।

ट्रेनी विमान हाईवे पर क्रैश

कासगंज। यूपी के कासगंज में सोमवार को एक ट्रेनी विमान क्रैश हो गया। विमान उड़ा रही 27 साल की महिला ट्रेनी पायलट घायल हो गई। उसे बेहतर इलाज के लिए आगरा रेफर किया गया है। हादसा पुलिस लाइन के पीछे 6-लेन हाईवे के पास हुआ। दुर्घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। इलाके की घेराबंदी की गई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। अलीगढ़ में चेतक एविएशन कंपनी है, जो डीजीसीए से मान्यता प्राप्त फ्लाइंग ट्रेनिंग अकादमी है। यहां पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए सेसना 172 और सेसना 152 जैसे विमान इस्तेमाल किए जाते हैं। मुंबई की रहने वाली पायलट कायनात पुत्री कादरखान ट्रेनिंग ले रही थीं। सोमवार दोपहर कायनात ने अलीगढ़ में धनीपुर हवाई पट्टी से उड़ान भरी थी। विमान में वो अकेली थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान आसमान में मंडरा रहा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और बिजली के तारों से टकराकर बरेली-मथुरा हाईवे किनारे गिर गया। विमान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। ट्रेनिंग अकादमी की टीम मौके पर पहुंची है।

जियो न्यूज पर 15 दिन की रोक

कराची। पाकिस्तान के प्रमुख उर्दू न्यूज चैनल जियो न्यूज का प्रसारण लाइसेंस 15 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी ने आरोप लगाया है कि मुहर्रम के दौरान प्रसारित एक कार्यक्रम में ऐसे धार्मिक दृश्य दिखाए गए, जो धार्मिक भावनाएं आहत कर सकते थे और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए खतरा पैदा कर सकते थे। 26 जून को प्रसारित सफर-ए-इश्क कार्यक्रम में ऐसे दृश्य शामिल थे, जो पाकिस्तान की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संवेदनशीलताओं के अनुरूप नहीं थे। नियामक ने जियो न्यूज को आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं और मामले को काउंसिल ऑफ कंप्लेंट्स के पास भेज दिया है। कार्रवाई के बाद जियो न्यूज ने विवादित कार्यक्रम को अपने सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटा दिया और सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। चैनल ने इसे संपादकीय चूक बताते हुए कहा कि कार्यक्रम में इराक और कुछ अन्य मध्य-पूर्वी देशों में शिया समुदाय द्वारा निभाई जाने वाली स्थानीय धार्मिक परंपराओं को केवल जानकारी के उद्देश्य से दिखाया गया था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में ओबीसी संशोधन बिल पास, सरकार बोली- कोर्ट के निर्देश का कर रहे पालन

113 जातियां आरक्षण सूची से बाहर

जबकि विभिन्न सर्वेक्षणों के आधार पर शामिल की गई 66 उप-श्रेणियों को बरकरार रखा गया है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सोमवार को अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण से जुड़े दो महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों को पारित कर दिया। राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए इन विधेयकों के पक्ष में 186 विधायकों ने मतदान किया, जबकि 17 सदस्यों ने विरोध किया और छह विधायक मतदान से अनुपस्थित रहे। नए कानून लागू होने के बाद राज्य में ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था में व्यापक बदलाव होंगे। इसके तहत आरक्षण का ढांचा 17 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है, साथ ही ओबीसी श्रेणियों का भी पुनर्गठन किया गया है। पिछड़ा वर्ग विकास मंत्री गौरिशंकर घोष ने विधानसभा में पश्चिम बंगाल बैकवर्ड क्लासेज (एससी-एसटी को छोडकर) रिजर्वेशन ऑफ वैकेंसी इन सर्विसेज एंड पोस्ट अमेंडमेंट बिल, 2026 और पश्चिम बंगाल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेज अमेंडमेंट बिल, 2026 पेश किए। विधेयक पर चर्चा के दौरान मंत्री ने कहा कि सरकार का यह कदम पूरी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप है और इसका किसी भी प्रकार की राजनीतिक मंशा से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि बिना किसी फील्ड सर्वे के ओबीसी सूची में शामिल की गई 113 श्रेणियों को हटाया गया है, जबकि विभिन्न सर्वेक्षणों के आधार पर शामिल की गई 66 उप-श्रेणियों को बरकरार रखा गया है।

आयोग तय करेगा नई सिफारिशें
सरकार के अनुसार, संशोधित कानून के तहत अब पिछड़ा वर्ग आयोग किसी भी समुदाय की सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति की जांच करेगा। यदि आयोग किसी समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल करने की सिफारिश करेगा, तभी राज्य सरकार उस पर फैसला ले सकेगी। साथ ही, आयोग से परामर्श के बाद अलग-अलग ओबीसी श्रेणियों के लिए आरक्षण का प्रतिशत भी तय किया जाएगा। दूसरे संशोधन के जरिए आयोग की संरचना, अधिकार और जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट किया गया है।

विपक्ष ने उठाए सवाल

विधेयकों का विपक्षी दलों ने विरोध किया। आईएसएफ विधायक नवशाद सिद्दीकी ने आरोप लगाया कि सरकार के संशोधनों से एक विशेष समुदाय को अलग-थलग करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने मांग की कि सभी समुदायों के लिए वैज्ञानिक और पारदर्शी सर्वे कराया जाए तथा उसी के आधार पर आरक्षण संबंधी निर्णय लिए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुसार आरक्षण व्यवस्था में किसी भी बदलाव के लिए ठोस आंकड़ों और वैज्ञानिक आकलन की आवश्यकता होती है। उनके मुताबिक, सरकार पर्याप्त आंकड़ों के बिना ओबीसी आरक्षण में कटौती की दिशा में आगे बढ़ रही है, जबकि विधेयक इस मूल सवाल का स्पष्ट समाधान नहीं देता।

चीन में बड़ी बगावत की आशंका...एयरफोर्स से आर्मी तक के टॉप अफसरों की छुट्टी

शी जिनपिंग को सता रहा तख्ता पलट का डर!

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बड़ी बगावत का डर सता रहा है। इसको देखते हुए सरकार ने एक साथ कई बड़े सैन्य अधिकारियों और नेताओं को उनके पद से हटा दिया है। इस लिस्ट में पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युंझे और पोलित ब्यूरो के सदस्य मा शिंगरुई का नाम भी शामिल है, जो हाल ही में जांच के दायरे में आए थे। खास बात यह है कि अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि इन सभी को आखिर किस वजह से हटाया गया है। दावा किया जा रहा है कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का ही एक हिस्सा है। यह अभियान पिछले कई सालों से चल रहा है और इसमें कई बड़े

अधिकारियों और टॉप जनरलों की जांच हुई है, उन्हें हटाया गया है और पद से भी बेदखल किया गया है। यह ताजा कार्रवाई इस मामले में सबसे नई और बड़ी कड़ी मानी जा रही है। नेशनल पीपल्स कांग्रेस चीन की सबसे बड़ी कानून बनाने वाली संस्था है, इसलिए इसमें होने वाले बदलाव बहुत अहम माने जाते हैं। हटाए गए नेताओं में पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युंझे और हाल ही में जांच का सामना कर रहे पोलित ब्यूरो सदस्य मा शिंगरुई का नाम शामिल है। यह जानकारी नेशनल पीपल्स कांग्रेस की स्टैंडिंग कमेटी की तरफ से जारी एक नोटिस में दी गई है। इस नोटिस में किसी को भी हटाने की वजह नहीं बताई गई है। इसके अलावा चीन के डिफेंस मिनिस्ट्री से जब इस मामले पर जवाब मांगा गया तो वहां से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। जिन सैन्य सांसदों को हटाया गया है उनमें जनरल शू श्युछियांग का नाम सबसे ऊपर है। वो सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के इक्विपमेंट डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के प्रमुख थे।

होर्मुज संकट पर समाधान की कोशिश, दोहा में होगी अहम वार्ता

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान ने आपसी तनाव कम करने पर सहमति बना ली है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधि मंगलवार को कतर की राजधानी दोहा में मिलेंगे। यहां दोनों अधिकारियों के बीच होर्मुज जलमार्ग से जुड़े विवाद पर बातचीत होगी। यह जानकारी एक्सियोस की रिपोर्ट में दी गई है। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि हमने सभी सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला किया है। उन्होंने सैन्य भाषा में इस्तेमाल होने वाले शब्द काइनेटिक एक्टिविटी का जिक्र करते हुए बताया कि फिलहाल हमले और अन्य सैन्य अभियान रोक दिए जाएंगे। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल दोनों पक्ष तनाव कम करने पर सहमत हैं और होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही सामान्य रूप से जारी रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों और मामले की जानकारी रखने वाले एक अन्य सूत्र ने भी मंगलवार को होने वाली इस बैठक की पुष्टि की है। बैठक में तकनीकी स्तर की बातचीत आगे बढ़ाई जाएगी। 11 दिन पहले लागू हुआ संघर्षविराम (सीजफायर) अभी भी बेहद नाजुक स्थिति में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान

समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता तो अमेरिका फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू कर काम पूरा करेगा। जहाजों की आवाजाही का प्रबंधन करने का विशेष अधिकार ईरान के पास वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि प्रारंभिक शांति समझौते के तहत होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की आवाजाही का प्रबंधन करने का विशेष अधिकार ईरान के पास होगा। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में दी गई है। अमेरिका का कहना है कि इस समझौते से ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण नहीं मिलता और यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग सभी जहाजों के लिए बिना किसी बाधा के खुला रहना चाहिए। वहीं ईरान इस मुद्दे पर अलग रुख रखता है। ईरान ने यह दावा ऐसे समय किया है जब कुछ दिन पहले अमेरिका और ईरान के बीच जवाबी सैन्य हमले हुए थे। विवाद तब शुरू हुआ था जब ईरान ने ओमान के तट के पास से होकर होर्मुज पार करने की कोशिश कर रहे एक जहाज पर हमला किया। ईरान चाहता है कि जहाज उसकी समुद्री सीमा के साथ तय किए गए अलग मार्ग का इस्तेमाल करें और उसने वैकल्पिक रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को पहले ही चेतावनी दी थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, जून की शुरूआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा साइन किए गए समझौते में होर्मुज जलमार्ग को खोलने की जिम्मेदारी ईरान को दी गई है। समझौते में कहा गया है कि ईरान अपने सर्वोत्तम प्रयासों के साथ कमर्शियल जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगा।

संपादकीय

भारत के लिए चेतावनी और आपदा तैयारी की बड़ी सीख

हाल में आए भूकम्प के 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले दो झटकों से वहां बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग अब भी लापता हैं। भूकम्प के बाद वहां शुरुआती माहौल घबराहट और दुख का था लेकिन अब सरकार की ओर से त्वरित मदद को लेकर लोगों में निराशा और गुस्सा बढ़ रहा है। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में यह आपदा अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। जैसे-जैसे मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लोगों में डर और सरकार के प्रति नाराजगी भी बढ़ती जा रही है। भूकम्प के कुछ घंटों बाद सरकार ने आपात स्थिति की घोषणा की और हालात से निपटने के लिए दुनिया से मदद की अपील की। भारत ने भी तुरंत मदद का हाथ आगे बढ़ाते हुए विशेष अभियान की घोषणा की, जिसके तहत राहत कार्यों में सहयोग के लिए जरूरी मानवीय मदद लेकर वायुसेना के दो सी-17 विमान वेनेजुएला के लिए रवाना हुए। यह त्रासदी भारत समेत उन तमाम देशों के लिए एक सबक है, जो भूकम्प की दृष्टि से संवेदनशील हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वेनेजुएला में भूकम्प पीड़ितों की मदद के लिए शुरू किए गए अभियान में भारतीय सेना की एक सचल अस्पताल इकाई, पैंतीस टन से ज्यादा राहत सामग्री, जिनमें दवाइयां और चिकित्सा उपकरण भी शामिल हैं। अधिकारिक जानकारी के मुताबिक, वेनेजुएला में आए भूकम्प के दो झटकों से राजधानी काराकस में कई इमारतें गिर गईं और लोगों के बीच हाहाकार मच गया। भूकम्प का प्रभाव कई क्षेत्रों में महसूस किया गया और बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ। वहां की कार्यकारी राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्स का कहना है कि बचाव अभियान अभी जारी है और मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश की जा रही है। वहां भूकम्प प्रभावित इलाकों में व्यवस्था को संभालने के लिए सेना को तैनात किया गया है। जो लोग भी इन इलाकों में जाना चाहते हैं, उन्हें काराकास में अपना पंजीकरण कराना पड़ता है। मीडिया कर्मियों को भी इलाके में तभी जाने दिया जाता है, जब उन्हें सरकारी बसों में ले जाया जाए। गौरतलब है कि वेनेजुएला में मादुरो को हटाने के बाद रोड्रिग्स को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सहमति से वेनेजुएला की कमान सौंपी गई थी। एमहर्स्ट कालेज के राजनीतिक विज्ञानी खाबियर कोरालेस के मुताबिक वेनेजुएला में इस प्राकृतिक आपदा का ज्यादा असर सिर्फ भूकम्प की तीव्रता की वजह से ही नहीं बल्कि जमीन पर खराब हालात की वजह से भी पड़ा है। पिछले पच्चीस वर्षों से वेनेजुएला पर सोशलिस्ट राष्ट्रपति का शासन रहा है, चाहे वह रोड्रिग्स हों, मादुरो हों या शावेज। मगर भूकम्प के बाद विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो वेनेजुएला लौटने की कोशिश कर रही हैं जिन्हें दिसंबर में नोबेल शांति पुरस्कार लेने के लिए विदेश ले जाया गया था। मचाडो को भविष्य में राष्ट्रपति पद के लिए संभावित उम्मीदवारों में एक प्रमुख चेहरा माना जाता है। वेनेजुएला में भाई-भतीजावाद और उपभोक्तावाद की समस्या भारत की तरह ही है। यह तरीका रोड्रिग्स की चुनावी मुकाबले की ताकत बढ़ा सकता है।

सफलता पर अहंकार न करें और असफलता में निराश न हों

जिंदगी केवल सांस चलने भर का नाम नहीं है, बल्कि यह स्वयं को समझने और निरंतर बेहतर बनाने की यात्रा है। हम सभी जीवन में अनेक भूमिकाएं निभाते हैं, मसलन, माता-पिता, बेटा-बेटी, रिश्तेदार, मित्र, कर्मचारी या समाज का एक सदस्य। मगर सच यह भी है कि इन भूमिकाओं को निभाते-निभाते कई बार हम स्वयं से दूर हो जाते हैं। ऐसे में आत्मचिंतन हमें अपने भीतर लौटने का अवसर देता है। आत्मचिंतन का अर्थ अपनी दृष्टि से अपने पक्ष में तर्क जुटाना नहीं है, बल्कि यह अपने विचारों, भावनाओं, निर्णयों और व्यवहार का निष्पक्ष अवलोकन करना है।

यह केवल स्वयं की कमियों को ढूंढ़ने का नहीं, बल्कि स्वयं को समझने का माध्यम है। जब हम दिनभर की घटनाओं पर शांत मन से विचार करते हैं, तब हमें पता चलता है कि कहां हमने सही निर्णय लिया और कहां हमारे भीतर किसी सुधार की आवश्यकता है। जिंदगी में सुख और दुख दोनों आते हैं। सुख हमें उत्साह देता है, दुख हमें अनुभव और परिपक्वता प्रदान करता है। आत्मचिंतन इन दोनों परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखना सिखाता है। यह सिखाता है कि सफलता पर अहंकार न करें और असफलता में निराश न हों। हर घटना जीवन का पाठ है, जिसे समझना और उससे सीखना ही आत्मचिंतन का उद्देश्य है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में लोग बाहरी उपलब्धियों के पीछे भागते हैं, लेकिन आंतरिक शांति की उपेक्षा करते हैं। भौतिक सुख-सुविधाएं आवश्यक हैं, लेकिन मन की शांति के बिना उनका आनंद अधूरा है। आत्मचिंतन हमें अपने वास्तविक लक्ष्य, मूल्यों और प्राथमिकताओं को पहचानने में सहायता करता है। जब व्यक्ति स्वयं को जान लेता है, तब वह दूसरों को भी बेहतर ढंग से समझ पाता है। दरअसल, आत्मचिंतन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हमें परिस्थितियों का दास बनने के बजाय उनका स्वामी बनाता है। हम अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करना सीखते हैं और जीवन को अधिक सकारात्मक दृष्टि से देखने लगते हैं। धीरे-धीरे हमारे भीतर धैर्य, सहनशीलता और आत्मविश्वास का विकास होता है। जिस तरह समुद्र मंथन से अमृत और विष दोनों की उत्पत्ति हुई थी, वैसे ही हमारे भीतर भी सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों तरह के विचारों का संचार होता है। उन सकारात्मक और नकारात्मक विचारों से खुद को समृद्ध कर अपना विश्लेषण करते हुए सकारात्मक कार्य करना ही जीवन का श्रेष्ठ मार्ग है, श्रेष्ठता है।

आत्मचिंतन स्वयं से मिलने की क्रिया है, जो मनुष्य जीवन को सफल बनाने में सहायक है। एक निरंतर बहने वाली नदी की तरह जिंदगी में कभी शांत जल होता है, तो कभी तेज धाराएं। इसके बीच आत्मचिंतन उस नाव की तरह है, जो हमें हर परिस्थिति में संतुलित रखती है। अगर हम प्रतिदिन कुछ समय बिल्कुल अपने साथ बिताएं, अपने मन की आवाज सुनें और अपने कर्मों का मूल्यांकन करें, तो जीवन अधिक सार्थक, संतुलित और आनंदमय बन सकता है। सच यह है कि जो व्यक्ति स्वयं को जान लेता है, वह जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने की दिशा में पहला कदम उठा लेता है। विडंबना यह है कि हम दुनिया को जानने का दावा करते हुए उसमें अपनी ऊर्जा नाहक खर्च करते रहते हैं, लेकिन खुद को जानने को लेकर हमारे भीतर कोई जिज्ञासा पैदा नहीं होती। इसका हासिल क्या होता है? जबकि आत्मचिंतन स्वयं को समझने की कोशिश है। मनुष्य के बीच एक दिलचस्प प्रवृत्ति आम देखी जाती है कि वह सदैव दूसरों का आकलन करता रहता है। उस आकलन के बीच हम स्वयं को समझना ही भूल जाते हैं। जबकि अपना सुधार करना ही संसार की सबसे बड़ी सेवा है। यह एक ऐसी चुनौती है, जहां स्वयं को ही परखना होता है। परखने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि हम निष्पक्ष होकर अपना विश्लेषण करें। हर व्यक्ति की जीवन शैली अलग है और उसी के अनुरूप उसकी कसौटियां हैं। जरूरी नहीं कि हम बाहरी दुनिया को संतुष्ट करें, बल्कि हम आत्मचिंतन करके अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। मन बड़ा ही चलायमान होता है। उसमें पारदर्शिता होना काफी हद तक एक मुश्किल स्थिति है। जब हम अपनी गलतियों को पहचानते हैं, तो खुद अपने ही वकील बन जाते हैं। किंतु-परंतु से जूझते हुए भी येन-केन-प्रकारेण हम अपने आप को निर्दोष साबित करना चाहते हैं। मगर हम स्वयं अवलोकन करें, तो अपना सत्य जान सकते हैं और उसी के अनुरूप अपनी भावी कर्म प्रणाली रख सकते हैं। जीवन जीना एक कला है और आत्मचिंतन उस कला को परखने की शक्ति है। इस शक्ति से हम जीवन में सुख का स्रोत बना सकते हैं। एक ऐसा स्रोत, जो हमारे अपने अंतस में निहित है। कहा जा सकता है कि जिंदगी और आत्मचिंतन एक-दूसरे के पूरक हैं। जिंदगी हमें अनुभव देती है और आत्मचिंतन उन अनुभवों से सीखने की क्षमता। जो व्यक्ति आत्मचिंतन को अपने जीवन का हिस्सा बना लेता है, वह परिस्थितियों का दास नहीं, बल्कि अपने जीवन का सजग निर्माता बन जाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यस्त जीवन में कुछ समय आत्मचिंतन के लिए अवश्य निकालना चाहिए, क्योंकि यही वह मार्ग है, जो हमें आत्मज्ञान, संतोष और सच्ची सफलता की ओर ले जाता है। जीवन हमारे कर्म और उसकी प्राप्य-स्थली भी है, जहां हम खुद को समझ सकते हैं और भावी जीवन को सुधार सकते हैं। आत्मचिंतन वह कुंजी है, जो हमारे जीवन को निखार सकती है। हम अपने अवलोकन से ही स्वयं को बेहतर बना सकते हैं। एक उत्सव की तरह जीते हुए हम अपनी जिंदगी को महोत्सव बना सकते हैं। आत्मचिंतन उसी महोत्सव के साथ जीवन को सफल बनाने की राह है।

हर बार सफल होने से नहीं मिलता है अनुभव

जीवन एक सतत प्रवाहमान यात्रा है। जन्म के प्रथम क्षण से लेकर अंतिम सांस तक मनुष्य किसी न किसी रूप में गतिशील रहता है। इस यात्रा में वह अनेक अनुभवों, चुनौतियों, सफलताओं और विफलताओं से होकर गुजरता है। यदि इस संसार में कोई ऐसी अनुभूति है, जिससे अधिकांश मनुष्य भयभीत होते हैं, तो वह है विफलता। सफलता का स्वागत तो हर कोई हर्ष और उत्साह के साथ करता है, मगर विफलता का अंदेशा मन में निराशा, भय और विषाद का संचार कर देता है। यही कारण है कि अधिकांश लोग सफलता के पीछे भागते हुए जीवन व्यतीत कर देते हैं और विफलता से बचने का हर संभव प्रयास करते हैं। मगर क्या वास्तव में विफलता इतनी भयावह होती है, जितना हम उसे मान लेते हैं?

यदि हम जीवन को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि सफलता और विफलता दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक के बिना दूसरे का कोई अस्तित्व नहीं है। जिस प्रकार दिन और रात मिलकर समय का चक्र पूर्ण करते हैं, उसी तरह सफलता और विफलता मिलकर जीवन की संपूर्णता का निर्माण करती हैं। सफलता हमें आत्मविश्वास देती है, हमारे प्रयासों को मान्यता प्रदान करती है और हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना सिखाती है। मगर विफलता का योगदान इससे कहीं अधिक गहरा और स्थायी होता है। सफलता हमें यह बताती है कि हमने क्या सही किया, जबकि विफलता हमें यह सिखाती है कि हमें क्या सीखना अभी शेष है। सफलता हमारे व्यक्तित्व को चमक देती है, पर विफलता उसे तराशती है। वह हमारे भीतर छिपी कमजोरियों को उजागर करती है और हमें स्वयं से परिचित कराती है। विडंबना यह है कि आधुनिक जीवन में मनुष्य ने सफलता को ही जीवन का पर्याय बना लिया है। वह स्वयं को निरंतर दूसरों से तुलना के तराजू पर तौलता रहता है। किसी के पास अधिक धन है, किसी के पास अधिक प्रतिष्ठा है, कोई अधिक सफल दिखाई देता है। इन सबके बीच मनुष्य अपने अस्तित्व का मूल्यांकन करने लगता है। धीरे-धीरे जीवन एक अनुभव न रहकर एक प्रतियोगिता बन जाता है। वह जीने के बजाय जीतने में व्यस्त हो जाता है। इसी दौड़ में मनुष्य पूर्णता की तलाश करने लगता है। वह चाहता है कि उसके जीवन में कोई कमी न हो, कोई त्रुटि न हो, कोई विफलता न आए। वह हर कार्य में सर्वोत्तम होना चाहता है। मगर शायद वह इस बात को भूल जाता है कि पूर्णता स्वयं में एक भ्रम है, एक मृगतृष्णा। जैसे मरुस्थल में दूर चमकता हुआ जल वास्तव में जल नहीं होता, वैसे ही पूर्णता का आदर्श भी एक ऐसा लक्ष्य है, जिसे प्राप्त करना संभव नहीं है। मनुष्य होने का अर्थ ही अपूर्ण होना है। हमारी सीमाएं, हमारी गलतियां, हमारी कमियां और हमारी विफलताएं ही हमें मनुष्य बनाती हैं।

यदि जीवन में कोई त्रुटि न हो, कोई संघर्ष न हो और कोई विफलता न हो, तो सीखने की प्रक्रिया ही समाप्त हो जाएगी। तब जीवन केवल एक यांत्रिक अस्तित्व बनकर रह जाएगा। वास्तव में विफलताएं हमारे जीवन की सबसे बड़ी शिक्षक हैं। वे हमें विनम्र बनाती हैं, धैर्य का महत्व समझाती हैं और यह सिखाती हैं कि गिरना अंत नहीं है, बल्कि उठने की संभावना का प्रारंभ है। जिस व्यक्ति ने कभी विफलता का स्वाद नहीं चखा, वह सफलता का वास्तविक मूल्य भी नहीं समझ सकता। इतिहास के पन्ने ऐसे अनगिनत उदाहरणों से भरे पड़े हैं, जहां महान व्यक्तियों ने असंख्य विफलताओं का सामना करने के बाद ही सफलता प्राप्त की। यदि वे अपनी पहली या दूसरी विफलता के बाद रुक गए होते, तो शायद संसार उनके योगदान से वंचित रह जाता। उनकी महानता इस बात में नहीं थी कि वे कभी विफल नहीं हुए, बल्कि इस बात में थी कि उन्होंने विफलताओं को अपने मार्ग की अंतिम सीमा नहीं बनने दिया।

पिछले 24 घंटों में जिले में 23.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

हरदा। शब्द सारांश। जिले में गत चौबीस घंटों में 23.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया गत चौबीस घंटे में हरदा तहसील में 6.3 मि.मी., टिमरनी में 52 मि.मी., खिरकिया में 3.2 मि.मी., सिराली में 4.1 मि.मी. तथा रहटगांव में 54 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस वर्ष अब तक जिले में 103.8 मि.मी. औसत वर्षा हो चुकी है। इस वर्ष अब तक हरदा तहसील में 158.8 मि.मी., टिमरनी में 82.3 मि.मी., खिरकिया में 108.8 मि.मी., सिराली में 39.2 तथा रहटगांव में 130.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि गत वर्ष की 30 जून तक 243 मि.मी. औसत वर्षा हो चुकी थी।

जनजातीय छात्रावासों के विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति बढ़ी

1 जुलाई 2026 से नई दरें लागू

हरदा। शब्द सारांश। मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने वर्ष 2026-27 में छात्रावास एवं आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति की दरों में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा के लिए सतत निर्णय ले रही है। इसी क्रम में राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि अनुसूचित जनजाति के छात्रावास/आश्रमों में रहने वाले छात्र/छात्राओं की शिष्यवृत्ति की दरों को प्रत्येक वर्ष माह मार्च के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर निर्धारित कर माह जुलाई में छात्रावास / आश्रम प्रारंभ होने से प्रभावशील होगी। जारी आदेश के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वर्ष 2026-27 के लिए शिष्यवृत्ति की नई दरें निर्धारित की गई हैं। अब छात्रावास एवं आश्रमों में रहने वाले बालक विद्यार्थियों को 1,720 रुपये प्रतिमाह तथा बालिका विद्यार्थियों को 1,770 रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति प्रदान की जाएगी।

जिले में दिव्यांगजनों को मिलेंगे नि:शुल्क कैलिपर्स और कृत्रिम अंग

एक को हरदा, 2 को टिमरनी व 3 जुलाई को खिरकिया में लगेगा शिविर

हरदा। शब्द सारांश। भारत सरकार की एडीआईपी योजना के अंतर्गत हरदा जिले के पात्र दिव्यांगजनों को नि:शुल्क कैलिपर्स एवं कृत्रिम हाथ-पैर वितरित करने के लिए एक से 3 जुलाई तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान एलिम्को कानपुर द्वारा अधिकृत एस.आर. ट्रस्ट रतलाम के माध्यम से मोबाइल वर्कशॉप में दिव्यांगजनों के ऑन द स्पॉट नाप लेकर उपकरण तैयार किए जाएंगे और शिविर स्थल पर ही वितरित किए जाएंगे। शिविर में सिविल सर्जन कार्यालय द्वारा लैपटॉप सहित कर्मचारी तैनात कर मौके पर यूडीआईडी कार्ड जायेंगे साथ ही शिविर स्थल पर ही आय प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था भी की गई है।

उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री कमलेश सिंह ने बताया कि दिव्यांगजनों को नि:शुल्क कैलिपर्स व कृत्रिम अंग प्रदाय करने हेतु एक जुलाई को जनपद पंचायत हरदा, 2 जुलाई को जनपद पंचायत टिमरनी व 3 जुलाई को जनपद पंचायत खिरकिया में शिविर आयोजित किये गये है।उप संचालक श्री सिंह ने बताया कि शिविर में यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, समग्र आईडी, फोटो एवं आय प्रमाण पत्र (22 हजार मासिक से कम) लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हरदा, टिमरनी एवं खिरकिया को शिविरों के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। नगर पालिका हरदा की सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुश्री मोनिका यादव सहायक नोडल अधिकारी रहेंगी।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों के द्वितीय चरण का सीट आवंटन जारी

हरदा। शब्द सारांश। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत एनसीटीई पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया के द्वितीय चरण का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब तक 99,597 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है, जिनमें से 78,784 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। द्वितीय चरण में 21,242 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 19,166 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। सत्यापन उपरांत 18,563 विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों में सीट आवंटित की गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व प्रथम चरण में 16,856 विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान किया जा चुका है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

शब्द सारांश | हरदा

कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन, अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा, एसडीएम हरदा श्री अशोक डहेरिया, एसडीएम खिरकिया सुश्री शिवांगी बघेल सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।जनसुनवाई में टिमरनी के वार्ड क्रमांक 3 जोशी नगर के रहवासियों ने आवेदन देकर कॉलोनी में स्ट्रीट लाइट, पानी, बाउण्ड्रीवाल की व्यवस्था करने तथा चोरी व असामाजिक तत्वों के जमावड़े पर रोक लगाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व टिमरनी को आवेदकों की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम तजपुरा निवासी भीमसिंह राजपूत ने आवेदन देकर फार्मर आईडी न बनने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार टिमरनी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम चारखेड़ा निवासी रामबिलास आंजने ने आवेदन देकर सोयाबीन की फसल का मुआवजा प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार टिमरनी को मामले की जांच कर आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।जनसुनवाई में ग्राम हीरापुर निवासी प्रदीप तिवारी ने आवेदन देकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा कृषि भूमि अधिग्रहण के बाद भी मुआवजा राशि प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर अनुविभागीय अधिकारी हरदा को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। हरदा निवासी क्षमा कड़ोले ने विद्युत बिल अधिक आने के संबंध में शिकायत की, जिस पर उप महाप्रबन्धक विद्युत वितरण कम्पनी को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम आदमपुर निवासी दौलीबाई ने आवास योजना का लाभ प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार हंडिया को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

जल संरक्षण को बनाएं जन आंदोलन - जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शाह

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 का जिला स्तरीय समापन चारखेड़ा में संपन्न

शब्द सारांश | हरदा

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 का जिला स्तरीय समापन समारोह मंगलवार को ग्राम चारखेड़ा में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अभियान के दौरान जिले में किए गए कार्यों की उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। तालाब गहरीकरण, चेक डैम निर्माण, वर्षा जल संचयन संरचनाओं एवं बावड़ी-नदियों के पुनर्जीवन कार्यों की जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का भी वाचन किया गया। संदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शाह ने अभियान के दौरान उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारी-कर्मचारियों एवं नागरिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोद, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती जयश्री लीलाधर बांके, अध्यक्ष जनपद पंचायत टिमरनी श्रीमती रजनी राजेश कलम, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री अनिल वर्मा, कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन, सरपंच चारखेड़ा श्रीमती निर्मला बाई सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शाह ने कहा कि 'जल है तो कल है।' जल संरक्षण को जन आंदोलन बनायें। पानी बचाना हमारे रोजमर्रा के स्वभाव में शामिल होना चाहिए। इसे हमें एक आदत बनाना होगा। जब हर घर में वर्षा के जल को संचित किया जाएगा, तब आंदोलन सफल होगा। उन्होने ग्रामीणों से आह्वान किया कि जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना न समझें, बल्कि इसे जन-आंदोलन बनाएं। आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की बूंद-बूंद बचाना किसी एक व्यक्ति या संस्था का काम नहीं है। यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। पानी की हर एक बूंद में जीवन है, और उस जीवन को सुरक्षित रखना हमारा परम कर्तव्य है।

पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों को दी ई-ऑफिस संचालन की ट्रेनिंग

शब्द सारांश | हरदा

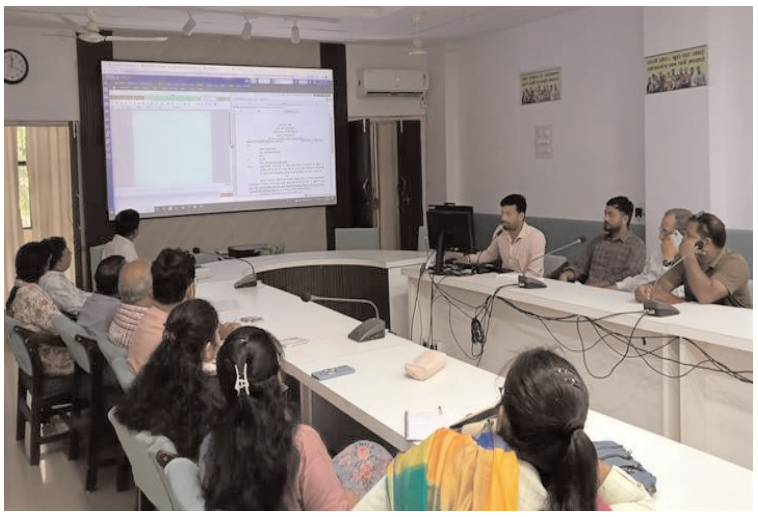

कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देशानुसार एनआईसी के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री परविन्दर यादव के मार्गदर्शन में नेटवर्क इंजीनियर श्री सागर शर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के लिए ई-ऑफिस प्रणाली का विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना और उन्हें दैनिक कार्यों में इस प्रणाली का निर्बाध रूप से उपयोग करने में सक्षम बनाना है।

पंचम दा की जयंती पर सजी सुरों की महफिल

आर.डी. बर्मन के सदाबहार गीतों से गूंजा संगीत समारोह

नर्मदापुरम शब्द सारांश। नगर की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्था म्यूजिक जोन द्वारा हिंदी फिल्म संगीत के महान संगीतकार आर.डी. बर्मन (पंचम दा) की जयंती पर विशेष संगीत संध्या दीवाना लेके आया है...का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के सुप्रसिद्ध गायक एवं किशोर कुमार की आवाज के रूप में पहचान रखने वाले असीम बिस्वास ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में असीम विश्वास को फ्रेन्डस क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष एवं संयोजक नीरज कैथवास द्वारा साल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद दर्शन सिंह चौधरी, पूर्व विधायक गिरिजा शंकर शर्मा, समाजसेवी राकेश फौजदार राम परसाई, विवेक भदोरिया एवं डॉ संतोष व्यास द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

इसके बाद अतिथियों का स्वागत म्यूजिक जोन की ओर से किया गया। संस्था का उद्देश्य संगीत के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा संगीत प्रेमियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है।कार्यक्रम में गीतों की प्रस्तुति की शुरूआत म्यूजिक जोन के संरक्षक एवं पूर्व विधायक गिरिजा शंकर शर्मा एवं समाजसेवी राकेश फौजदार के द्वारा दर्शन दो घनश्याम भजन से की गई । संगीत संध्या का मुख्य आकर्षण असीम बिस्वास रहे। उन्होंने दीवाना लेके आया है, रिमझिम गिरे सावन, ओ मांझी रे, जाने जां ढूंढता फिर रह, तुम बिन जाऊं कहां, मुसाफिर हूं यारों तथा जिंदगी के सफर में गुजर जाते हैं जो मुकाम सहित 11 सदाबहार गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम मे संस्था के द्वारा सांसद दर्शन सिंह चौधरी का साल श्रीफल से समान किया गया। कार्यक्रम सफल बनाने में विशेष सहयोगी शोसल मीडिया नमस्ते नर्मदापुरम के संचालक तन्मय करैया का विशेष आभार व्यक्त किया गया एवं संस्था के अध्यक्ष असीम विश्वास द्वारा साल श्रीफल भेंट कर किया गया। म्यूजिक जोन के वरिष्ठ सदस्य अमित पगारे एवं अनूप सिंह गौर के द्वारा कार्यक्रम में पधारे जन प्रतिनिधियों का पुष्प हार से स्वागत किया। नन्हे कलाकार अनय गौर, इमरान मिर्जा, साधना मेहरा, अभिलाष दुबे, अजय बरखने, प्रतीक द्विवेदी,भाग्यश्री,मुकेश गढ़वाल संयम बिल्लोरे, वैभव शुक्ला, सौम्या,विनय शुक्ला (खंडवा) सी.पी. भार्गव, राजेश, अजय दुबे, गंगाराम सोनिया, सुनील मिश्रा, दिनेश श्रीवास्तव सहित अनेक कलाकारों ने आर.डी. बर्मन और स्वर्णिम फिल्म संगीत के लोकप्रिय गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन सईद कुरैशी ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से अलाप संगीत संस्था, सुरीला नर्मदापुरम, वीणा पाणी संगीत संस्था, के सदस्य, स्कूल कॉलेज के प्रोफेसर, शिक्षक छात्र छात्रायें, इंग्लिश जोन के छात्र छात्रायें, व्यवसायीगण, सेवा निवृत्त कर्मचारी, सामजिक संस्थाओं के सदस्य, जन प्रतिनिधि, म्यूनजिक जोन के कलाकारों के परिवार के सदस्य सहित भारी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

मातृशक्ति ने चित्रगुप्त घाट पर चलाया वृहद स्वच्छता अभियान

नर्मदापुरम। मां नर्मदा को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के संकल्प के साथ रविवार को स्थानीय चित्रगुप्त घाट पर अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। समाज की मातृशक्ति ने न केवल घाट की व्यवस्था सुधारी, बल्कि समाज को स्वच्छता का एक बड़ा संदेश भी दिया। अभियान के दौरान मातृशक्ति ने घाट पर फैले कचरे को साफ किया, फर्श पर झाड़ू लगाई और घाट के किनारे जमी हुई फिसलन भरी काई को पूरी तरह साफ किया। इस अभियान में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष राजेन्द्र श्रीवास्तव, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, सी बी खरे, केशव देव वर्मा, सुनील राय, मनोज वर्मा, विजय वर्मा, लालता प्रसाद एवं मातृशक्ति से जिला अध्यक्ष ज्योति वर्मा, प्रीति खरे, सुमन वर्मा, मंजू श्रीवास्तव, रितु श्रीवास्तव, जानकी, रश्मि वर्मा और अदीति वर्मा उपस्थित रहीं।

पुरानी रंजिश के चलते युवक से मारपीट, आरोपियों पर मामला दर्ज

नर्मदापुरम। शिवपुर थाना अंतर्गत डेठी गंजाल गौरी बाबा के खेत के पास आधा दर्जन लोगों ने मिलकर पुरानी रंजिश के चलते आशीष जाट के साथ गाली गलौज कर मारपीट कर जान से मारने की धमकीं दी। इस मामले में शिवपुर थाना पुलिस ने फरियादी आशीष जाट की रिपोर्ट पर टिमरनी निवासी आरोपी सतीश कौशल, अंकित कौशल, छोटू भिलाला, रजत बोरासी,ओर अमित राठौर के विरुद्ध अपराध क्रमांक 179/26, धारा 296(ङ्)115(2) 351(3)3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर कारवाई की है।

12 निक्षय मित्रों ने 100 टीबी मरीजों को लिया गोद

जिला चिकित्सालय हरदा में क्षय रोगियों को वितरित की पोषण आहार किट

शब्द सारांश | हरदा

कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के आव्हान पर सोमवार को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले के 12 नागरिकों ने निक्षय मित्र बनकर सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की। जिला चिकित्सालय हरदा में आयोजित कार्यक्रम में इन निक्षय मित्रों द्वारा 100 क्षय रोगियों को गोद लिया गया और उन्हें पोषण आहार किट (फूड बास्केट) का वितरण किया गया।कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह, जिला क्षय अधिकारी डॉ. मृत्युंजय सिंह गहलोत, समस्त एनटीईपी स्टाफ उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि जिले के हर्षिता गौरव जैन, राजकुमार बाफना, साहिल संजय जैन, आशीष रात्रे, सांझ सन्नी अजमेरा, दिव्या अग्रवाल, राहुल गंगवाल जैन, रजनीश अग्रवाल, विनय जैन, नरेन्द्र राठी, श्रीमती पुष्पा सुभाष सिंघई तथा श्रीमती सुगन निर्मल पाटनी ने निक्षय मित्र बनकर मरीजों की पोषण संबंधी जिम्मेदारी ली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान 2025 के तहत निक्षय मित्र योजना चलाई जा रही है। इसमें समाज के सक्षम लोग टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके इलाज की अवधि तक पौष्टिक भोजन, जांच और भावनात्मक सहयोग प्रदान करते हैं। इससे मरीज जल्दी स्वस्थ होते हैं।

डॉ. गुर्जर डेंटल क्लीनिक
फिक्स दांत, रूट केनाल इलाज, आडे-तिरछे दांतो का 100 प्रतिशत इलाज

डॉ. मनीष गुर्जर (बी.डी.एस. , डी.पी.एच.)
पता:- सरकारी हास्पिटल के पास, हरदा म.प्र. मोबाइल नं. - 7509850234

आई.टी.सी.एल. कम्प्यूटर सेन्टर
कम्प्युटर से संबधित सभी प्रकार के कोर्स कराये जाते है एवं कम्प्युटर सुधारने एवं बेचने के कार्य किये जाते है
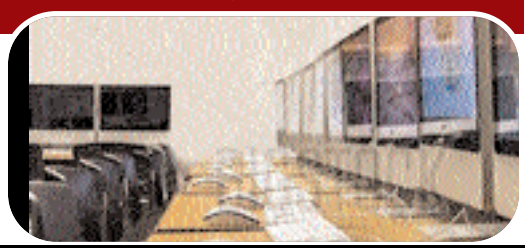
दीपक कुमार नेमा (संचालक)
पता: - काशीबाई कन्याशाला के सामने, हरदा म.प्र. मोबाइल नं.- 9993117760

ट्रैक्टर से गिरने वाली महिला को आई चोटों के कारण मौत, ट्रैक्टर चालक पर मामला दर्ज

नर्मदापुरम। माखन नगर थाना अंतर्गत ग्राम कड़ैया के पास विगत दिनों एक महिला की ट्रैक्टर से गिरकर आई चोटों के कारण मौत हो गई थी।इस मामले में माखन नगर पुलिस ने जांच उपरांत ग्राम चिलाचोन निवासी ट्रैक्टर चालक चंद्रशेखर के विरुद्ध अपराध क्रमांक 456/26 धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज कर कारवाई की है। पुलिस ने बताया कि 19 जून को शुक्करवाडा कला निवासी सविता कीर 41 वर्ष जो कि ट्रैक्टर में बैठी हुई थी।इस दौरान ट्रैक्टर चालक के द्वारा लापरवाही पूर्वक तेज गति से चलाकर ग्राम कढ़ैया में हैंडपंप के पास मोड़ा गया तो महिला ट्रैक्टर से नीचे गिर गई ओर इस दौरान उसको चोटे आने पर उपचार के दौरान मौत हो गई।जिस पर पुलिस ने विवेचना उपरांत आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कारवाई की है।

कलेक्टर के निर्देश पर चौतलाय में तालाब की 1.63 हेक्टेयर शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

नर्मदापुरम। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम चौतलाय में शासकीय तालाब भूमि से अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम चौतलाय स्थित खसरा क्रमांक 151, कुल रकबा 1.631 हेक्टेयर शासकीय तालाब भूमि पर किए गए कच्चे अतिक्रमण को हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अतिक्रमण हटाने के उपरांत तालाब की भूमि को विधिवत ग्राम पंचायत चौतलाय को सुपुर्द किया गया, जिसे ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव द्वारा ग्रहण किया गया। संपूर्ण कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं विधिसम्मत ढंग से संपादित की गई।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा ग्राम पंचायत में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान तालाबों एवं अन्य शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में राजस्व विभाग द्वारा निरंतर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के प्रथम चरण में संबंधित अतिक्रमणकारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए सूचित किया गया था। इसके पश्चात राजस्व अधिकारियों द्वारा भूमि का चिन्हांकन कराया गया। चिन्हांकन उपरांत लगभग 1.63 हेक्टेयर शासकीय तालाब भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री पूनमसिंह सलामे, संबंधित राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारीगण तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम उपस्थित रही।

रेत के अवैध उत्खनन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, दो पनडुब्बी मशीनें जब्त

नर्मदापुरम। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार, 29 जून 2026 को तहसील सिवनी मालवा के ग्राम बाबरी एवं पथाडा क्षेत्र में संयुक्त टीम द्वारा रेत के अवैध उत्खनन की जांच की गई। जांच के दौरान दो पनडुब्बी मशीनें अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए पाई गईं, जिन्हें मौके से जब्त कर पुलिस थाना सिवनी मालवा में अभिरक्षा में रखा गया है। संयुक्त कार्रवाई में नायब तहसीलदार श्रीमती पूनम सिंह सलामे, खनि निरीक्षक सुश्री पिंकी चौहान तथा पुलिस बल की उपस्थिति रही। टीम द्वारा अवैध उत्खनन में प्रयुक्त मशीनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध निरंतर अभियान जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इटारसी रेलवे जंक्शन का हो रहा कायाकल्प

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत इटारसी स्टेशन का तेजी से किया जा रहा पुनर्विकास

नर्मदापुरम। भारतीय रेल द्वारा देशभर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से विकसित किए जाने हेतु संचालित अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पश्चिम मध्य रेल के सबसे महत्वपूर्ण एवं व्यस्ततम जंक्शन स्टेशन इटारसी का व्यापक पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है। लगभग 49.84 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं आधुनिक आधारभूत संरचना विकसित करने के कार्य किए जा रहे हैं। इटारसी स्टेशन का पुनर्विकास कार्य इस वित्तीय वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत इटारसी स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया के विकास एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म क्रमांक 4/5 एवं 6/7 पर कवर ओवर शेड की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 एवं 7 की सतह में सुधार कार्य भी प्रगति पर है।स्टेशन भवन के आंतरिक भाग, प्रतीक्षालय एवं टिकट खिड़की क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं के अनुरूप उन्नयन कार्य किए जा रहे हैं। यात्रियों की सुविधा हेतु स्टेशन के शौचालयों का भी सुधार एवं आधुनिकीकरण किया जा रहा है। स्टेशन परिसर में दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं का विस्तार करते हुए रैंप, दिव्यांग संकेतक एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं।यात्रियों की आवाजाही को अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से इटारसी स्टेशन पर 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्टेशन पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड, वीडियो वॉल,

क्लॉक बोर्ड, जीपीएस आधारित सीसीटीवी कैमरे तथा पीए सिस्टम जैसी आधुनिक यात्री सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।स्टेशन पर फर्नीचर एवं यात्री उपयोग की अन्य सुविधाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि विभिन्न विकास कार्य चरणबद्ध तरीके से प्रगति पर हैं। भविष्य में एस्केलेटर एवं लिफ्ट जैसी सुविधाओं के विस्तार की भी योजना है, जिससे यात्रियों को और अधिक सुविधा प्राप्त होगी।यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक एवं विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने हेतु निरंतर कार्य कर रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत इटारसी स्टेशन का पुनर्विकास पूर्ण होने के बाद यह स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं एवं बेहतर संरचना का नया उदाहरण बनेगा।

बार-बार कब्जा करने वाले पर बड़ी कार्रवाई, एसडीएम के आदेश पर पहुंचा सिविल जेल

नर्मदापुरम /सिवनीमालवा। अनुविभाग सिवनी मालवा के तहसील सिवनी मालवा एवं शिवपुर क्षेत्र में शासकीय और निजी भूमि पर हो रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त अभियान शुरू कर दिया है। जनसुनवाई,सीएम हेल्प लाइन एवं अन्य माध्यमों से लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण कारियों के विरुद्ध लगातार बेदखली की कार्रवाई की जा रही है।एसडीएम विजय राय ने बताया कि कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देशानुसार शासकीय भूमि से अवैध कब्जे हटाने के साथ-साथ निजी भूमि पर बलपूर्वक किए गए कब्जों के मामलों में भी त्वरित कार्रवाई की जा रही है। आवेदन प्राप्त होने पर सीमांकन एवं स्थलीय

जांच कर सक्षम न्यायालय के आदेशों के अनुसार अतिक्रमण हटाकर पीड़ितों को कब्जा दिलाया जा रहा है।इसी क्रम में शिवपुर थाना क्षेत्र के ग्राम उमरिया निवासी कृषक श्रीमती रेशमबाई की निजी कृषि भूमि पर हुकुम सिंह पिता रूपसिंह यदुवंशी द्वारा लंबे समय से किए गए अवैध कब्जे के मामले में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की। बताया गया कि राजस्व विभाग द्वारा पूर्व में कई बार बेदखली कर भूमि का कब्जा दिलाया गया, लेकिन आरोपी बार-बार दोबारा कब्जा कर लेता था।एसडीएम विजय राय ने बताया कि मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 250(2) के तहत न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवहेलना करने पर आरोपी हुकुम सिंह को विधिवत गिरफ्तार कर सिविल जेल भेज दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई क्षेत्र के अन्य अतिक्रमणकारियों के लिए भी कड़ा संदेश है।एसडीएम ने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्राम चौतलाय, ग्वाड़ी, पीपलठोन एवं चापड़ाग्रहण सहित अन्य गांवों में भी शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक रास्तों पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध सिविल जेल वारंट जारी किए गए हैं। पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार कर सिविल जेल भेजने के साथ ही संबंधित भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई लगातार जारी है।

खेल सामग्री में घोटाला करने वाले शासकीय गृह विज्ञान कॉलेज की प्राचार्य सहित अन्य पर मामला दर्ज

रिटायरमेंट के एक दिन पहले हुई प्राचार्य कामिनी जैन सहित अन्य 3 पर हुई एफआईआर

नर्मदापुरम। अग्रणी होमसाइंस कॉलेज में खेल सामग्री खरीदी में अमानत में खयानत करने वाली कॉलेज की प्राचार्य कामिनी जैन सहित अन्य चार लोगों पर कोतवाली पुलिस ने तहसीलदार सरिता मालवीय की जांच रिपोर्ट ओर आवेदन के बाद मामला दर्ज कर दिया है। गोरतलब रहे कि शासकीय अग्रणी होमसाइंस कॉलेज की प्राचार्य कामिनी जैन 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाली है उनके सेवानिवृत्ति के एक दिन पहले ही उनके ऊपर फर्जीवाड़े के आरोप में एफआईआर हो गई हैं। गौरतलब रहे कि कामिनी जैन अनेक वर्षों से इस कालेज में प्राचार्य के पद पर पदस्थ रही है। तत्संबंध में कोतवाली पुलिस ने बताया कि तहसीदार के जांच प्रतिवेदन ओर उनके द्वारा दिए गए आवेदन के बाद कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर कामिनी जैन, भंडार शाखा प्रभारी, लेखा शाखा प्रभारी और मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेज इनके विरुद्ध धारा। 316 (5) और 318 (4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। इस पूरे मामले में स्टोर प्रभारी, वित्त तथा शाखा प्रभारी, लेखापाल, खेल अधिकारी की भूमिका भी संदिग्ध है। गौरतलब है कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा सरकारी बजट के माध्यम से की गई खरीद प्रक्रिया में नियमों को ताक पर रखकर लाखों रुपये की हेराफेरी की गई थी। लगभग 9 लाख का सामान मंगाया लेकिन सामान नहीं आया और रजिस्टर सहित एंट्री हर जगह की गई और पेमेंट भी दे दिया गया। इस पूरे मामले में सीधे तौर पर कॉलेज की प्राचार्य कामिनी जैन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए गए थे। खेल सामग्री की खरीदी में क्रय नियमों और पारदर्शिता की जमकर अनदेखी की गई। घटिया स्तर की सामग्री को अत्यधिक दामों पर क्रय दिखाकर शासकीय और जनभागीदारी निधि से लाखों रुपये का घोटाला किए जाने का दावा किया जा रहा है। भ्रष्टाचार की शिकायतें आम होने और मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा स्वयं शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय पहुंचे थे। उन्होंने सीधे प्राचार्य से मुलाकात कर इस पूरे मामले की वस्तुस्थिति जानी। सामान आया नहीं और रिसीव कर बना दिए वाउचर और रजिस्टर में रिसीव की एंट्री भी हो गई थी। कलेक्टर के सख्त निर्देश पर तहसीलदार सरिता मालवीय ने प्रारंभिक जांच पूरी की थी।

जल्द होगी गिरफ्तारी

इस पूरे मामले को लेकर जिले के कलेक्टर सोमेश मिश्रा काफी गंभीर है । उनके निर्देश पर ही तहसीलदार सरिता मालवीय ने कॉलेज पहुंचकर पूरे मामले की जांच की थी । इधर सूत्रों की मानें तो इस पूरे फर्जीवाड़े के खेल में शामिल कॉलेज की प्राचार्य कामिनी जैन सहित भंडार शाखा प्रभारी, लेखा शाखा प्रभारी, मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेज के विरुद्ध मामला दर्ज होने के बाद अब जल्द ही इन आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।ऐसा सूत्रों का कहना है।

दिल्ली की नयी ईवी नीति को कैबिनेट की मंजूरी, एक जुलाई से होगी लागू

नयी दिल्ली: दिल्ली सरकार ने राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और वाहन प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से नयी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि यह नीति स्वच्छ परिवहन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। नयी ईवी नीति एक जुलाई से लागू होगी और 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी।

श्रीमती गुप्ता के अनुसार नयी नीति के तहत 30 लाख रुपये तक की कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स

और रजिस्ट्रेशन शुल्क में छूट दी जायेगी।

वहीं इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर 30 हजार रुपये तक, तिपहिया वाहन पर 50 हजार रुपये तक और एन1 श्रेणी के इलेक्ट्रिक ट्रकों पर एक लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।

उन्होंने कहा कि नीति में पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने पर भी विशेष जोर दिया गया है।

इसके तहत पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग कराने पर 5 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जायेगा।

साथ ही राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों की सुविधा बढ़ाने के लिए 30 हजार से अधिक ईवी चार्जिंग प्वाइंट विकसित किए जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नयी ईवी नीति के तहत एक जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल नये इलेक्ट्रिक ऑटो और एन1 श्रेणी के इलेक्ट्रिक गुड्स कैरियर का ही पंजीकरण होगा।

इसके अलावा 1 अप्रैल 2028 से केवल नये इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का ही पंजीकरण किया जायेगा।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रोत्साहन राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जायेगी।

गला दबाकर प्रेमी का कत्ल, इसलिए फंदे से न लटका सकीं बहनें

गाजियाबाद: उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले की ट्रोनिका सिटी की पूजा कॉलोनी में 23 जून को हुए जाकिर हत्याकांड में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। वारदात को जाकिर की प्रेमिका किरण ने बहन कशिश के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी किरण की 14 वर्षीय बेटी ने दरवाजे में बने छेद से मां और मौसी की करतूत को देख लिया था। इसी से राज खुल गया। आरोपी बहनों ने वारदात को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास भी किया था, लेकिन कामयाब नहीं हुईं।

एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि 23 जून को जाकिर का शव उसके घर में मिला था। 24 जून को पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने हत्या के एंगल से जांच शुरू की। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।

इसमें किरण घटना वाले दिन जाकिर के घर आती-जाती दिखाई दी। दरवाजे पर उसकी बेटी भी खड़ी नजर आई। पुलिस ने पहले किरण से पूछताछ की। वह बार-बार बयान बदलकर गुमराह करती रही। ऐसे में पुलिस ने उसकी बेटी से पूछताछ की तो उसने हकीकत बता दी। इसके बाद किरण से फिर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने भी सच बता दिया।

बेटी पर बुरी नजर रखने और पति के पास न भेजने से थी नाराज

एसीपी के अनुसार, हत्या की योजना किरण ने बनाई थी। पूछताछ में उसने बताया कि जाकिर पिछले कुछ महीनों से उसे पति धर्मवीर के पास लौटने नहीं दे रहा था। आरोप है कि वह उसकी बेटी पर भी बुरी नजर रखने लगा था। इसी से तंग आकर उसने 15 दिन पहले बहन कशिश को बुलाकर हत्या की साजिश रची।

योजना के तहत घटना वाले दिन किरण ने बच्चों को कैब में बैठाकर घूमने भेजने का बहाना किया। उसने अपने सभी बच्चों को कैब में बैठा दिया और खुद जाकिर के घर के अंदर चली गई। वहां कशिश और जाकिर पहले से मौजूद थे। काफी देर तक मां और मौसी के नहीं लौटने पर किरण की बड़ी बेटी कार से उतरकर दरवाजे तक पहुंची।

उसने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजे में दो छेद बने थे। उन्हीं छेदों से उसने अंदर झांककर देखा तो मां और मौसी मिलकर जाकिर की हत्या कर रही थीं। दोनों ने पहले डंडे से जाकिर के सिर पर वार किया। इससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद गमछे से उसका गला दबा दिया।

वजन ज्यादा था, फंदे पर नहीं लटका सकीं

पुलिस के अनुसार, किरण ने कबूला कि हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए दोनों ने मिलकर जाकिर के शव को फंदे पर लटकाने की कोशिश की थी, लेकिन उसका वजन ज्यादा था। इस वजह से शव को लटका नहीं सकीं। इसके बाद जाकिर के गमछे को उसी के गले में लपेटकर शोर मचा दिया कि उसने फंदा लगा लिया है। किरण ने खुद जाकिर के भाई को फोन कर आत्महत्या की सूचना दी थी।

10 वर्ष से चल रहा था प्रेम प्रसंग

जांच में सामने आया कि मूल रूप से रामपुर निवासी जाकिर विवाहित था। उसके छह बच्चे हैं। उसकी पत्नी रामपुर में रहती है। जाकिर ने किरण को अपने घर के पास ही किराये का मकान दिला रखा था। किरण का पति धर्मवीर नोएडा के दनकौर में मजदूरी करता हैं। किरण और जाकिर का प्रेम प्रसंग करीब 10 वर्ष से चल रहा था। किरण नवंबर 2025 से जाकिर के साथ रह रही थी।

जल्द दाखिल होगी चार्जशीट

एसीपी ने बताया कि आरोपी की बेटी की गवाही, सीसीटीवी फुटेज और पोस्टमार्टम रिपोर्ट इस केस में अहम सबूत हैं। सभी साक्ष्य एकत्र कर जल्द कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की जाएगी।

ग्लोबल अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली। वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कई गैर-सरकारी संगठनों की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फेसबुक दुनिया में अवैध वन्यजीव तस्करी का सबसे बड़ा ऑनलाइन बाजार बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेटा की कमजोर मॉडरेशन व्यवस्था और कंटेंट से कमाई (मॉनेटाइजेशन) की सुविधा इस अवैध कारोबार को बढ़ावा दे रही है। ग्लोबल इनिशिएटिव अगेंस्ट ट्रांसनेशनल ऑर्गेनाइज्ड क्राइम के अध्ययन में अप्रैल 2024 से मार्च 2026 के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 20 हजार से अधिक विज्ञापन और 2.60 लाख से ज्यादा वन्यजीव उत्पादों की बिक्री से जुड़े पोस्ट मिले। इनमें करीब 75 प्रतिशत विज्ञापन फेसबुक पर पाए गए। रिपोर्ट के अनुसार, बिक्री के लिए पेश किए गए लगभग 84 प्रतिशत वन्यजीव ऐसे थे, जिनके अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक व्यापार पर सीआईटीईएस संधि के तहत प्रतिबंध है। इनमें आधे से अधिक प्रजातियां संकटग्रस्त या अत्यंत संकटग्रस्त हैं। इन उत्पादों का कुल विज्ञापित मूल्य 6.6 करोड़ डॉलर (करीब 560 करोड़ रुपए) से अधिक बताया गया है।

जीवों के अंगों की खुलेआम बिक्री- रिपोर्ट में पैंगोलिन, गैंडे के सींग, चिंपैंजी और संरक्षित पक्षियों समेत कई वन्यजीवों और उनके अंगों की खुलेआम बिक्री के उदाहरण दिए गए हैं। शोधकर्ताओं का आरोप है कि मेटा के विज्ञापन और सब्सक्रिप्शन जैसे मॉनेटाइजेशन मॉडल ऐसे अकाउंट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाते हैं, जिससे अवैध तस्करी को बढ़ावा मिलता है। हालांकि, मेटा ने इन आरोपों पर विस्तृत प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए कहा कि उसके प्लेटफॉर्म पर संकटग्रस्त वन्यजीवों और उनके उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है।

थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर सीबीएसई का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। सीबीएसई ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने को लेकर नई गाइडलाइन जारी की। बोर्ड ने साफ किया है कि मौजूदा 10वीं के स्टूडेंट्स पर थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू नहीं होगी। वहीं, अभी 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को 10वीं में पहुंचने पर तीसरी भाषा का बोर्ड एग्जाम नहीं देना होगा। सीबीएसई की अकादमिक निदेशक प्रज्ञा एम सिंह ने बताया कि 2026-27 में पहले से 9वीं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को एक बार की छूट भी दी है। ऐसे छात्र दो विदेशी (गैर-भारतीय) भाषाएं पढ़ना जारी रख सकते हैं, लेकिन उन्हें तीसरी भाषा के रूप में एक भारतीय भाषा जोड़नी होगी। इस तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल करेगा और 10वीं बोर्ड परीक्षा में इसका पेपर नहीं होगा। इससे पहले बोर्ड ने कहा था कि विदेशी भाषा तभी चुनी जा सकेगी, जब स्टूडेंट्स दो भारतीय भाषाएं पढ़ें या उसे चौथी अतिरिक्त भाषा के रूप में लें।

6वीं के नए बैच से बदलेगा नियम - सीबीएसई ने कहा कि 2026-27 में 6वीं में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स और उसके बाद के सभी बैचों के लिए तीन भाषाएं अनिवार्य होंगी। इनमें दो भारतीय भाषाएं होना जरूरी होगा। यही स्टूडेंट्स जब 10वीं में पहुंचेंगे, तब तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा भी देंगे। बोर्ड ने यह भी कहा कि जो स्टूडेंट्स किसी दूसरे राज्य में पढ़ाई के लिए जाएंगे, वे मिडिल स्टेज से लेकर 9वीं तक अपनी मौजूदा तीसरी भाषा जारी रख सकेंगे। विदेश में स्थित स्कूलों और भारत लौटने वाले विदेशी स्टूडेंट्स को तीसरी भाषा के रूप में भारतीय भाषा पढ़ने से छूट दी गई है। दिव्यांग स्टूडेंट्स को पहसे से तय नियम के अनुसार राहत मिलेगी।

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर शुरू होगा चलो लखनऊ अभियान

खोड़ा। खोड़ा रेजिडेंट एसोसिएशन (केआरए) ने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जुलाई में चलो लखनऊ अभियान चलाने की घोषणा की है। सोमवार को आयोजित संगठन की बैठक में पेयजल संकट, सरकारी अस्पताल, 12वीं तक के सरकारी विद्यालय, महिलाओं के लिए प्रसूति केंद्र, मकानों पर स्थायी पता व्यवस्था समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में फैसला लिया गया कि जुलाई महीने के अंत में लखनऊ चलो अभियान की शुरूआत होगी, हालांकि अभियान के लिए लोगों को संगठित करने का काम एक जुलाई से शुरू किया जाएगा। केआरए अध्यक्ष दीपक जोशी ने कहा कि करीब 12 लाख की आबादी वाला खोड़ा वर्षों से बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। नगर पालिका बनने के बाद भी विकास कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2023 के आमरण अनशन, 2024 की प्रस्तावित लखनऊ साइकिल यात्रा और 2025 में प्रधानमंत्री कार्यालय तक जाने के कार्यक्रम के दौरान भी प्रशासन ने आश्वासन दिए, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। जुलाई में क्षेत्रवासियों का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलने लखनऊ जाएगा। जब तक समस्याओं के समाधान का स्पष्ट रोडमैप नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा।

बैठक में उपाध्यक्ष अमरचंद ठेकेदार ने खोड़ा की उपेक्षा का आरोप लगाया, जबकि सचिव अमर सिंह रावत ने अभियान के समर्थन में जनजागरण चलाने की बात कही। वरिष्ठ सदस्य ललित मिश्रा ने कहा कि जनता का भरोसा लगातार टूट रहा है और अब लोग बदलाव का मन बना चुके हैं। बैठक में विकास जाटव, ललित रावत, उमेश सिंह, सतपाल, उमाशंकर यादव, शुभला सलूजा, केशव राम, नवीन, बुद्धि बल्लभ सती, श्याम सुंदर तिवारी, रणवीर सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

वार्ड-24 के पल्ला में जर्जर सड़क और जाम नालियों से परेशानी

फरीदाबाद। वार्ड-24 के पल्ला क्षेत्र में बदहाल सड़कें, खुले सीवर और जाम नालियों के कारण लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। इलाके में कई स्थानों पर सड़कें पूरी तरह टूटी हुई हैं, जिनमें गहरे गड्ढे और जगह-जगह बड़े पत्थर रखे हैं। वहीं कई जगह सीवर लाइनें खुली पड़ी हैं, जिससे वाहन चालकों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासी सुरेश का कहना है कि यह स्थिति दिन में तो किसी तरह संभल जाती है, लेकिन रात के समय हालात बेहद खतरनाक हो जाते हैं। अंधेरे में सड़क पर बने गड्ढे और पत्थर नजर नहीं आते, जिससे दोपहिया वाहन चालक अक्सर संतुलन खोकर गिरने की स्थिति में पहुंच जाते हैं। कई बार छोटे-मोटे हादसे भी हो चुके हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल है। निवासियों ने आरोप लगाया है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया।

ग्रामीण रूटों पर रोडवेज बसों की कमी से बढ़ी यात्रियों की परेशानी

फरीदाबाद। शहर के ग्रामीण क्षेत्रों में रोडवेज बसों की पर्याप्त सुविधा न होने से हजारों यात्रियों को रोजाना समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। तिगांव, पल्ला, मोहना, भूपानी, खेड़ी कलां, चांदपुर, नेकपुर और आसपास के गांवों में रोडवेज बसों की कमी के कारण यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित बस सेवा नहीं होने के कारण लोगों को मजबूरी में निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है। यात्री सोहन का कहना है कि अधिकांश रूटों पर बसों की संख्या जरूरत के मुकाबले काफी कम है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में बसें यात्रियों से पूरी तरह भरी रहती हैं। कई ग्रामीण रूटों पर शाम के समय बसों के फेरे कम होने से लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार अंतिम बस निकल जाने के बाद यात्रियों को निजी वाहनों से घर लौटना पड़ता है, जिससे अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। यात्री शिखा का कहना है कि ग्रामीण आबादी का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर है, लेकिन लंबे समय से बसों की संख्या नहीं बढ़ाई गई है। उन्होंने परिवहन विभाग से मांग की है कि तिगांव, मोहना, मंझावली और अन्य प्रमुख ग्रामीण रूटों पर रोडवेज बसों के फेरे बढ़ाए जाएं।

घर की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ऐसे सजाएं खिड़कियां

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए हम सभी चीजों की सजावट करते हैं लेकिन कई लोग खिड़की पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं। खिड़कियां की साफ- सफाई के साथ इसकी सजावट करना भी काफी ज्यादा जरूरी हैं। अगर आप भी खिड़कियां की सजावट करना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कि आप इसकी सजावट कैसे कर सकती हैं।

खिड़कियां की सजावट करने से पहले आपको उसे अच्छे तरीके से साफ करना होगा। अगर आप अपने खिड़कियों की सजावट सही तरीके से करना चाहती हैं तो आपको खिड़की पर लगी धूल को साफ करना होगा। धूल निकालने के बाद आप इसे अच्छे तरीके से सजा सकती हैं।

स्टफ टॉयज का करें इस्तेमाल

अपनी खिड़की को सजाने के लिए आप चाहे तो स्टफ टॉयज का इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आपके खिड़की पर जगह है तो आपको उस पर स्टफ टॉयज रखना होगा। स्टफ टॉयज देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है।

पौधे से करें सजावट

खिड़कियां अगर बड़ी है तो आपको अपने घर की खिड़कियों को सजाने के लिए हैंगिंग प्लांट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। इसकी मदद से आप अपने घर के खिड़कियों की मिनटों में सजावट कर सकती हैं। यह काफी ज्यादा खूबसूरत लगेगा।

कर्टेन सही चुनें

कर्टेन आपके घर की खिड़कियों की रौनक को बढ़ा सकता है। ऐसे में आपको अपने घर के खिड़कियों की सजावट करने के लिए लाइट कलर के कर्टेन लगाने होगे। इसकी मदद से आप आसानी से अपने घर के खिड़कियों को सजा सकती हैं।

बरसात के मौसम में घर के फर्नीचर को सेफ रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

बारिश का मौसम अपने साथ तरह-तरह की परेशानियां लेकर ही आता है। रोड पर जलजमाव के कारण कहीं आने-जाने में दिक्कत से लेकर घर की साफ-सफाई तक हर कुछ में इस दौरान समस्याएं बढ़ जाती है। ऐसा ही एक दिक्कत घर में मौजूद फर्नीचर के साथ भी होता है। दरअसल, बरसात के दिनों में लकड़ी के फर्नीचर में भी नमी आ जाती है। यही नहीं, इसके कारण सड़न और दीमक लगने की भी संभावनाएं काफी बढ़ जाती है, लेकिन आपको अब ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हम आज एक्सपर्ट के बताए कुछ आसान से टिप्स बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप अपने काम को आसान बना सकते हैं।

बिना खर्च किए इस तरीके से बनाएं फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे

महंगे फर्नीचर की खास केयर की जरूरत होती है। इसके लिए बाजार में आपको यूं तो कई सारे प्रोडक्ट मिल जाएंगे। पर, आप चाहें तो केमिकल मुक्त घर पर ही क्लीनिंग स्प्रे तैयार कर सकती हैं।

फर्नीचर क्लीनर स्प्रे बनाने की सामग्री

1 कप सफेद सिरका, 2 कप पानी
2 चम्मच नींबू का रस
1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल, स्प्रे बोतल

घर पर फर्नीचर क्लीनर कैसे बनाएं?

- फर्नीचर क्लीनर तैयार करने के लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल में सफेद सिरका और पानी डालें। आप चाहें तो सिरके की जगह नींबू का रस भी डाल सकती हैं।
- अब इसमें 1 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑयल डालें। यह आपके फर्नीचर पर पॉलिश का काम करेगा।
- इसके बाद, बोतल को अच्छी तरह हिलाएं।
- बस लीजिए, आपका फर्नीचर क्लीनिंग स्प्रे तैयार है।
- फर्नीचर क्लीनर का कैसे करें इस्तेमाल?
- स्प्रे बोतल को अच्छी तरह से हिलाकर मिक्स कर लें।
- इसके बाद, एक मुलायम कपड़े को इस स्प्रे से गीला करें।
- फर्नीचर की सतह को अच्छी तरह पोंछ लें।
- अगर दाग एक बार में न मिटे, तो इसे फिर से दोहराएं।
- आप इस स्प्रे को लकड़ी, प्लास्टिक, धातु और कांच सहित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर पर उपयोग कर सकते हैं।

फर्नीचर स्प्रे बनाते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

- यदि आप एक स्ट्रॉन्ग क्लीनर चाहते हैं, तो आप सिरके की मात्रा को 1/2 कप तक बढ़ा सकते हैं।
- स्प्रे को सुगंधित बनाने के लिए आप नींबू का रस या चंदन के तेल की मात्रा को 20 बूंद तक डाल सकते हैं।
- यदि आप एक चमकदार फिनिशिंग चाहते हैं, तो ऑलिव ऑयल की मात्रा को भी 2 बड़े चम्मच तक बढ़ा सकते हैं।
- बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें।

फर्नीचर को ढक कर रखें

अगर यह खिड़की या बालकनी के पास रखी है तो आप अपने फर्नीचर ढक कर रख सकते हैं। इसके लिए प्लास्टिक शीट या वाटरप्रूफ कवर का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसा करने से आप अपने फर्नीचर को पानी और नमी से बचा सकते हैं। इसके अलावा, सोफों और कुर्सियों को फैब्रिक कवर से भी आप ढक सकते हैं।

अपने फर्नीचर को धूप में सुखाएं

फर्नीचर में नमी को बनने से रोकने के लिए संभव हो तो इसे धूप में जरूर सुखाएं। इससे पानी का असर फर्नीचर पर नहीं होगा और न ही इसमें दीमक आदि लगने की स्थिति बन पाएगी।

लकड़ी के फर्नीचर को पेंट या पॉलिश करें

पानी और नमी से फर्नीचर को बचाने के लिए आप एक सुरक्षात्मक परत बना सकते हैं। इससे फर्नीचर की चमक बरकरार रहेगी ही। साथ ही, बरसात में ये खराब होने से भी बच सकते हैं।

फर्नीचर को दीवारों से दूर रखें

नम दीवारों से फर्नीचर में नमी आ सकती है। ऐसे में फर्नीचर और दीवारों के बीच थोड़ा गैप रखना जरूरी है। इसके अलावा, नमी के स्तर को कम करने और लकड़ी के फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए कमरे में डीह्यूमिडिफायर का उपयोग कर सकते हैं।

रबर पैड का करें इस्तेमाल

गंदे और गीले फर्श के साथ सीधे संपर्क में आने से फर्नीचर पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में आप अपने फर्नीचर को सुरक्षित रखने के लिए पैरों के नीचे रबर पैड लगा सकते हैं।

फर्नीचर को कैसे रखें साफ?

- धूल और गंदगी को जमा होने से रोकने के लिए अपने फर्नीचर को नियमित रूप से साफ करते रहें।
- इसपर कवर, कोस्टर या पैड को बिछाकर रखें।
- अपने फर्नीचर को सीधे धूप से बचाएं।
- लकड़ी के फर्नीचर को महीने में एक बार घरेलू तरीके से जरूर पॉलिश करें।
- कपड़े के फर्नीचर को वैक्यूम क्लीनर से साफ करते रहें।

जिला ब्यूरो चाहिए

आवश्यकता है प्रदेश के होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मंडला, इंदौर, भोपाल, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खंडवा, उज्जैन, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी अशोकनगर, राजगढ़, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ मे जिला ब्यूरो की ---- सम्पर्क करें।

रामकुमार नेमा, संपादक शब्द सारांश

पता:- आस्था कुंज बादर विहार कालोनी इंदौर रोड हरदा मोबाइल नं. - 9993173191

पंजाब किंग्स के शशांक सिंह और पिता पर एफआईआर

पंजाब। किंग्स के ऑलराउंडर शशांक सिंह, उनके पिता- रिटायर्ड आईपीएस ऑफिसर शैलेश सिंह- और उनका ड्राइवर स्नड्डक्र दर्ज होने के बाद एक बड़े विवाद में हैं। इस ग्रुप पर भोपाल में अपने घर के कुक के साथ मारपीट करने और गाली-गलौज करने का आरोप है।

कुक, जिसकी पहचान विपेंद्र सिंह तोमर के तौर पर हुई है, ने आरोप लगाया कि यह घटना उसके बनाए खाने से परिवार के नाखुश होने की वजह से हुई। उसके बयान के मुताबिक, जब उसने इस्तीफा देने का इरादा बताया, तो उसका फोन जब्त कर लिया गया और उसे रुकने के लिए मजबूर किया गया। उसने आगे दावा किया कि बाद में शैलेश सिंह, ड्डक्रफेम शशांक सिंह और उनके ड्राइवर ने उसके साथ मारपीट की।

जैसे ही यह घटना सामने आई, भोपाल के रातीबाद पुलिस स्टेशन ने सोमवार को इस घटना के बारे में स्नड्डक्र दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। सरकारी नौकरी का वादा रीवा के रहने वाले 31 साल के विपेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि उन्हें शैलेश सिंह के घर पर कुकिंग की नौकरी के लिए एक जान-पहचान वाले मोहित सिंह सेंगर ने रखा था, साथ ही भविष्य में सरकारी नौकरी दिलाने में मदद का वादा भी किया था। उन्होंने बताया कि नौकरी की शर्तों में ?15,000 महीने की सैलरी के साथ-साथ नीलबड़ में परिवार के घर पर रहने-खाने की सुविधा भी शामिल थी। इस दौरान, तोमर ने आरोप लगाया कि पहले दिन से ही उनसे लगातार काम लिया जाता था और उन्होंने अक्सर देखा कि घर के पिछले कुक के साथ बुरा बर्ताव होता था। उन्होंने आगे दावा किया कि जब उन्होंने कहा कि वह नौकरी छोड़ना चाहते हैं, तो उनसे यह सवाल किया गया, अगर तुम काम नहीं करना चाहते थे, तो तुम यहाँ क्यों आए? क्या तुम मुझे मारने आए हो, रिपोर्ट के मुताबिक।

प्यार, रहस्य और मौत, लड़की की मौत और युवक की हालत गंभीर

बेंगलुरु। कर्नाटक के चिकबल्लापुर जिले में मुद्डेनाहल्ली के पास एक होमस्टे में एक युवती संदिग्ध हालात में मृत पाई गई, जबकि उसका बॉयफ्रेंड, जिसकी पहचान संजीत अली के तौर पर हुई है, वह बेहोश मिला और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि यह हत्या, आत्महत्या या जहर देने का मामला है। पुलिस के अनुसार, यह घटना नंदी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। शुरुआती जांच से पता चला है कि यह जोड़ा पिछले तीन दिनों से होमस्टे में रह रहा था।

जांचकर्ताओं को कमरे के अंदर एक रस्सी, कई गोलियां, उल्टी के निशान और एक तकिया मिला। हालांकि, महिला के शरीर पर बाहर से कोई चोट या खून बहने के निशान नहीं थे, जिससे इस चरण में मौत का कारण पता लगाना मुश्किल हो गया है। पुलिस ने कहा कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद पता चलेगा। अधिकारी संजीत अली के होश में आने का भी इंतजार कर रहे हैं ताकि उनका बयान दर्ज किया जा सके। पत्रकारों से बात करते हुए चिक्काबल्लापुर के पुलिस अधीक्षक कुशल चौकसी ने कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि यह घटना हत्या का मामला है या आत्महत्या का। उन्होंने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह आत्महत्या का मामला है या हत्या का। महिला के शरीर पर बाहर से कोई चोट या खून बहने के निशान नहीं थे, इसलिए वे नहीं कह सकते कि उसकी हत्या की गई, उसे जहर दिया गया या उसने आत्महत्या की। कमरे के अंदर एक रस्सी मिली थी, इसलिए सभी संभावनाएं खुली हैं। एसपी ने कहा कि जहर देने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है। संजीत अली बेहोश पाए जाने के बाद अभी इलाजरत है। कमरे से बड़ी संख्या में गोलियां बरामद की गईं। उल्टी के निशान भी थे और फोरेंसिक जांच के लिए एक तकिया जब्त किया गया है।

पुलिस की कार्रवाई, सहारनपुर में एक आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। जनपद की थाना बेहट पुलिस ने एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान फैजान पुत्र अब्दुल खालिक निवासी गांव रीढ़ी मोहिउद्दीनपुर थाना बेहट के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद कोर्ट में प्रस्तुत किया।

जानकारी के अनुसार, 23 जून को एक पीड़ित युवती ने थाना बेहट में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दो युवकों फैजान और शोएब द्वारा उसका वीडियो वायरल करने सहित अन्य गंभीर गतिविधियां की गईं। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस की कार्रवाई के दौरान एक आरोपी फैजान को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरा आरोपी शोएब अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसकी तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।थाना बेहट पुलिस के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है और फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वीडियो वायरल करने के पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की गई और दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

नौकरी के नाम पर खेल, देश के 250 युवाओं को निशाना बनाने वाला शातिर दबोचा गया

नोएडा। फर्जी जॉब पोर्टल बनाकर देशभर के युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगने वाले गिरोह का नोएडा पुलिस ने रविवार को पर्दाफाश किया। पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर डिजिटल साक्ष्य समेत अन्य सामान बरामद किए। पुलिस का दावा है कि आरोपी करीब 250 युवाओं के साथ ठगी कर चुका है। वह बेरोजगार युवाओं को झांसा देकर रजिस्ट्रेशन और अन्य शुल्क के नाम पर रकम वसूलता था। उसके एक साथी की तलाश की जा रही है।

साइबर क्राइम थाना के इंस्पेक्टर सहसवीर ने बताया कि 24 जून को पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर संदिग्धों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान एक मुखबिर ने नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक व्यक्ति की सूचना दी। उसने बताया कि आरोपी सेक्टर-23 के पास एटीएम से रुपये निकालने आने वाला है।

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान बिहार निवासी प्रशांत कुमार श्रीवास्तव के रूप में हुई। वह वर्तमान में ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक सोसाइटी में रह रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से दो मोबाइल और दो एटीएम कार्ड बरामद हुए। मोबाइल फोन की जांच में वॉट्सऐप चैट, कॉल रिकॉर्डिंग, विभिन्न लोगों का डेटा, फर्जी जॉब ऑफर से जुड़े दस्तावेज और कई कंपनियों के नाम पर तैयार किए गए संदेश मिले। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी अमन अग्रवाल के साथ मिलकर अलग-अलग नामों से वेबसाइट और डोमेन बनाकर नौकरी के इच्छुक युवाओं से संपर्क करता था।

कॉल सेंटर के माध्यम से अभ्यर्थियों को नौकरी का भरोसा दिलाया जाता था। इसके बाद रजिस्ट्रेशन, दस्तावेज सत्यापन और अन्य शुल्क के नाम पर उनसे खातों में रुपये जमा कराए जाते थे। पुलिस का दावा है कि आरोपी अब तक साथियों के साथ मिलकर करीब 250 लोगों के साथ ठगी कर चुका है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के लोग सबसे ज्यादा ठगी के शिकार हुए हैं। आरोपी और उसके साथी करीब डेढ़ साल से इस प्रकार की ठगी कर रहे हैं। गिरोह में कुल सात से 12 लोगों के शामिल होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि गिरोह में अलग-अलग लोगों की जिम्मेदारी तय थी। कोई कॉलिंग करता था तो कोई बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराता था।

पुलिस को शिकायत और बरामद डिजिटल साक्ष्यों की जांच में देश के विभिन्न राज्यों से दर्ज कई साइबर ठगी की शिकायतों का भी पता चला है। पुलिस अब आरोपी के फरार साथी अमन अग्रवाल समेत पूरे नेटवर्क की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि इसमें और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। गिरफ्तार आरोपी प्रशांत कुमार साथी अमन अग्रवाल के साथ मिलकर फर्जी जॉब वेबसाइट बनाता था।

बीड़ी न देने पर भड़का आरोपी, 18 वर्षीय जय प्रकाश की दर्दनाक मौत

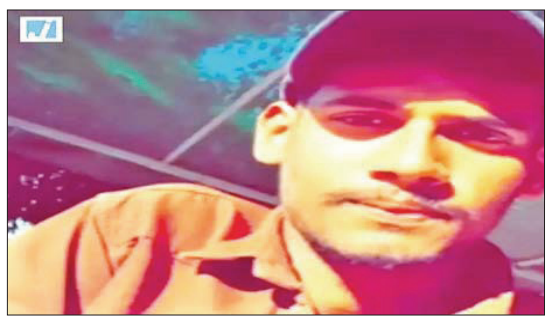

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के नागदा में बीड़ी मांगने को लेकर हुए मामूली विवाद ने एक 18 वर्षीय युवक की जान ले ली। बिड़लाग्राम थाना क्षेत्र के जी ब्लॉक टापरी इलाके में रविवार रात नशे में धुत एक व्यक्ति ने तलवार से हमला कर युवक की हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 11 बजे 50 वर्षीय मोहनलाल ढोली इलाके में पहुंचा और वहां मौजूद जय प्रकाश ठाकुर से बीड़ी मांगी। जय प्रकाश द्वारा बीड़ी नहीं होने की बात कहने पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी ने अपनी कमर से तलवार निकालकर युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल जय प्रकाश ठाकुर की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि जय प्रकाश अपने दादा-दादी के साथ नागदा में रहता था, जबकि उसके माता-पिता रोजगार के सिलसिले में इंदौर में रहते हैं। युवक परिवार का एकमात्र सहारा था। उसकी मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि घटना के समय मुख्य आरोपी के साथ कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे, लेकिन पुलिस ने फिलहाल केवल मोहनलाल ढोली के खिलाफ मामला दर्ज किया है। परिजनों ने अन्य संदिग्धों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। बिड़लाग्राम थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

न फंस जाना इस जाल में! पुलिस ने पकड़ी फर्जी शादी-फर्जी पुलिस गैंग

गोरखपुर। जरा सोचिए... अगर कोई शख्स 35 से 40 साल की उम्र पार कर चुका हो, शादी की उम्मीद लगभग छोड़ चुका हो और तभी उसे रिश्ता मिलने की खबर आए... तो वह क्या करेगा? बस इसी मजबूरी और उम्मीद का फायदा उठा रहा था एक शातिर गैंग, जिसका भंडाफोड़ अब उत्तर प्रदेश की गोरखपुर पुलिस ने कर दिया है.

दरअसल,यह गिरोह अंतर्राज्यीय खास तौर पर हरियाणा और राजस्थान के उन युवकों को निशाना बनाता था जिनकी किसी कारणवश अब तक शादी नहीं हुई थी. गिरोह के सदस्य पहले अपने नेटवर्क के जरिए ऐसे युवकों से संपर्क करते थे और उन्हें भरोसा दिलाते थे कि गोरखपुर में उनके लिए अच्छा रिश्ता है.

जब युवक अपने परिवार के साथ गोरखपुर पहुंचता, तो पूरा नाटक शुरू होता. कोई लड़की की बहन बन जाता, कोई भाई तो कोई मौसी. लड़की दिखाई जाती, बातचीत होती और कुछ ही देर में रिश्ता भी तय करा दिया जाता. इसके बाद एक बंद कमरे में सिंदूर, मंगलसूत्र और अन्य रस्मों के साथ शादी जैसी औपचारिकताएं भी पूरी करा दी जाती थीं. पूर्व नियोजित योजना के तहत गिरोह के कुछ सदस्य फर्जी पुलिसकर्मी बनकर मौके पर पहुंचते और छापा मारने का ड्रामा करते. वे आरोप लगाते कि लड़की को जबरन बंधक बनाकर शादी कराई जा रही है. अचानक हुई इस कार्रवाई से दूल्हा और उसके परिजन घबरा जाते. फिर उन्हें जेल भेजने और मुकदमे में फंसाने का डर दिखाकर मोटी रकम की मांग की जाती. पैसा मिलने के बाद ही उन्हें छोड़ा जाता था.

रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में मिला सड़ा-गला शव

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव करीब एक सप्ताह पुराना बताया जा रहा है और पूरी तरह सड़ जाने के कारण उसकी पहचान मुश्किल हो रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना रामनगर थाना क्षेत्र के चौकाघाट रेलवे स्टेशन के पास घाघरा पुल से करीब एक किलोमीटर पहले दुर्गापुर मोड़ के पास की है। जानकारी के अनुसार, रेलवे लाइन किनारे झाड़ियों में शव पड़ा हुआ था। शव काफी समय से वहां पड़ा होने के कारण उसमें कीड़े पड़ गए थे और आसपास तेज दुर्गंध फैल रही थी।

रेलवे विभाग में तैनात सब इंस्पेक्टर संजीव कुमार यादव की नजर सबसे पहले झाड़ियों में पड़े शव पर पड़ी। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना चौकाघाट रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर अब्दुल्ला मंसूरी को दी। इसके बाद स्टेशन मास्टर ने रामनगर थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही रामनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी वीरपाल सिंह ने बताया कि शव पहली नजर में करीब एक सप्ताह पुराना प्रतीत हो रहा है।

पुलिस के अनुसार, शव पूरी तरह सड़ जाने के कारण मृतक की पहचान करना बेहद मुश्किल हो गया है। मृतक के पास से कोई ऐसा दस्तावेज या वस्तु नहीं मिली जिससे उसकी पहचान की जा सके। हालांकि, प्रारंभिक जांच में मृतक के हाथ में कलावा बंधा होने के कारण उसे हिंदू समुदाय से जुड़ा माना जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रामकुमार नेमा की ओर से दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल से मुद्रित तथा आस्था कुंज बादर विहार कॉलोनी, होटल मानसरोवर के पास इंदौर रोड हरदा से प्रकाशित। संपादक - रामकुमार नेमा। मो.- email:ramnema81@gmail.com (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र हरदा रहेगा।)